अभ्यास पत्रक

पाठ – बड़े भाई साहब

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

1. गद्यांश पढ़िए और उत्तर दीजिए – (3 अंक)

"इतने मेले-तमाशे होते हैं, मुझे तुमने कभी देखने जाते देखा है? रोज ही क्रिकेट और हॉकी मैच होते हैं, मैं पास नहीं भटकता। हमेशा पढ़ता रहता हूँ। उस पर भी एक-एक दरजे में दो-दो, तीन-तीन साल पड़ा रहता हूँ...।"

1. भाई साहब ने छोटे भाई को उपदेश क्यों दिया?

उत्तर - .....

.....

2. इन पंक्तियों में भाई साहब का कौन-सा भाव प्रकट होता है?

उत्तर - .....

.....

3. भाई साहब बार-बार फेल होने के बावजूद क्या करना अपना कर्तव्य समझते हैं?

उत्तर - .....

.....

2. Assertion-Reason आधारित प्रश्न – (2x1=2 अंक)

4. **कथन:** छोटे भाई ने बड़े भाई के डर से पढ़ाई की ओर ध्यान देना शुरू कर दिया।
   कारण: बड़े भाई साहब उसे खूब डाँटते थे और पढ़ाई का महत्व समझाते थे।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: सही

5. **कथन:** बड़े भाई साहब को किताबों से ज़्यादा ज़िंदगी का अनुभव था।
   कारण: वह विदेश यात्रा कर चुके थे और सामाजिक आंदोलनों में भाग लेते थे।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है। (ग) A: सही, R: गलत
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है। (घ) A: गलत, R: गलत

3. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) – (5x1=5 अंक)

6. "बड़े भाई साहब" कहानी के लेखक कौन हैं?
   (क) हरिशंकर परसाई (ख) सुभद्राकुमारी चौहान (ग) प्रेमचंद (घ) विष्णु खरे

7. बड़े भाई साहब छोटे भाई से कितने वर्ष बड़े थे?
   (क) चार (ख) पाँच (ग) छह (घ) सात

8. बड़े भाई साहब को पढ़ाई के समय क्या करना अच्छा लगता था?
   (क) फुटबॉल खेलना (ख) किताब के हाशिए पर चित्र बनाना
   (ग) दोस्तों से बात करना (घ) टीचर की नकल करना

9. छोटे भाई का समय किसमें अधिक बीतता था?
   (क) पढ़ाई में (ख) चित्रकारी में (ग) खेल-कूद में (घ) पुस्तकालय में

10. कहानी का अंतिम दृश्य किस पर आधारित है?
    (क) पाठशाला का चित्रण (ख) परीक्षा परिणाम
    (ग) पतंगबाज़ी (घ) होस्टल जीवन

eGyanarchive

4. लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक, कुल 6 अंक)

11. छोटे भाई को किस कारण पढ़ाई में मन नहीं लगता था?

उत्तर - .....

.....

.....

12. बड़े भाई साहब को अपनी इच्छाएँ क्यों दबानी पड़ती थीं?

उत्तर - .....

.....

.....

13. बड़े भाई ने कौन-से ऐतिहासिक या पौराणिक उदाहरण देकर छोटे भाई को समझाया?

उत्तर - .....

.....

.....

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (4 अंक) *(उत्तर 100–120 शब्दों में दीजिए)*

14. "बड़े भाई साहब" पाठ में भाई साहब एक आदर्श, जिम्मेदार और अनुभवी बड़े भाई के रूप में किस प्रकार प्रस्तुत किए गए हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

6. निबंधात्मक प्रश्न – (5 अंक) *(उत्तर 160–180 शब्दों में दीजिए)*

15. "प्रेमचंद की यह कहानी शिक्षा प्रणाली, भाई-भाई के रिश्ते और जीवन अनुभवों की गहराई को व्यंग्यात्मक रूप में प्रस्तुत करती है" – इस कथन की पुष्टि कीजिए।

उत्तर - .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी

1. क्योंकि छोटा भाई पढ़ाई छोड़कर खेल में समय बर्बाद कर रहा था।
2. उनका संघर्ष, अनुशासन और पढ़ाई के प्रति गंभीरता दिखाई देती है।
3. वे छोटे भाई के मार्गदर्शक और अनुशासनकर्ता बने रहना अपना कर्तव्य मानते हैं।
4. (क)
5. (ग)
6. (ग)
7. (ख)
8. (ख)
9. (ग)
10. (ग)
11. उसे मैदान की हरियाली, खेलकूद, पतंगबाज़ी और दोस्तों का साथ ज़्यादा पसंद था, जिससे पढ़ाई में मन नहीं लगता था।
12. क्योंकि वे बड़े भाई थे, उन्हें अनुशासन और उदाहरण प्रस्तुत करने का दायित्व था।
13. रावण, शैतान, हेनरी जैसे उदाहरण देकर उन्होंने अभिमान, घमंड और गलत दृष्टिकोण के परिणाम समझाए।

14. भाई साहब एक ऐसे बड़े भाई के रूप में प्रस्तुत हैं जो अपने छोटे भाई की देखरेख को अपना कर्तव्य मानते हैं। वे खुद सख्ती से पढ़ाई करते हैं, भले ही बार-बार फेल होते हैं। उनका दृष्टिकोण व्यावहारिक न होकर नैतिक और सिद्धांतपूर्ण है। वे चाहते हैं कि उनका भाई जीवन में मेहनत, अनुशासन और निरंतरता को अपनाए। वे स्वयं अपने बचपन की इच्छाओं का त्याग करके भी छोटे भाई को सही राह पर लाने का प्रयास करते हैं। उनके उपदेश, डाँट और व्यवहार में जिम्मेदारी झलकती है।

15. प्रेमचंद की यह कहानी शिक्षा व्यवस्था, भाई-भाई के रिश्ते और अनुभवों की तुलना को बहुत ही रोचक व्यंग्य के माध्यम से प्रस्तुत करती है। बड़े भाई साहब की कथाएं, उनके उपदेश और उदाहरण इस बात को बताते हैं कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं है, बल्कि जीवन अनुभव और नैतिक मूल्य भी हैं। छोटे भाई का तेज़ी से पास होना और बड़े भाई का असफल रहना यह भी दर्शाता है कि शिक्षा प्रणाली परिणामों पर आधारित है, प्रक्रिया पर नहीं। भाई साहब के अनुभव, अनुशासन और कर्तव्यबोध को प्रेमचंद ने बड़े ही मार्मिक और हास्यप्रद शैली में प्रस्तुत किया है, जिससे पाठक को आनंद भी आता है और सीख भी।